केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 172 शुक्रवार 12 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कृषि यंत्रीकरण अनुदान के लिये निकली लाटरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी अंद्रा वामसी की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2023–24 में कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अन्तर्गत रू0 10000/ से अधिक अनुदान वाले समस्त कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग सेन्टर, हाई टेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थ्रेसिंग फ्लोर एवं स्माल गोदाम इत्यादि का ई–लाटरी विभागीय पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ।

उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम ने बताया कि सभी ब्लाकों से 1092 आवेदन के सापेक्ष 226 व्यक्तियों का ई–लाटरी के माध्यम से चयन हुआ है। बैठक का संचालन कृषि अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी ने किया। इसमें सीडीओ जयदेव सीएस, उद्यान अधिकारी धर्मेन्द्र चौधरी, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, गन्ना अधिकारी सहित कृषक बन्धु उपस्थित रहें।

नाले का निर्माण रूकने से फैली गंदगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, (बस्ती) । कुदरहा ब्लाक के ग्राम पंचायत परमेश्वरपुर के राजस्व गांव हरैया में निर्माणाधीन नाले का निर्माण कार्य रुकने से घर के बाहर गंदा पानी पसरा है। जिससे दर्जनो ह रो के लोगों को मुश्किलो का सामना करना पड रहा है।

गांव के सुरेंद्र, सुखराम, रुदल, रंजीत, रामकेश, रोहित व रविंद्र कुमार सहित तमाम लोगों ने बताया कि घरो का पानी निकलने के लिए रास्ते के बीच से नाली बनी थी और गांव के उत्तर ढाई विस्ता घूर गड्ढा की जमीन मे पहले पानी गिरता था। लेकिन रास्ता पिंच होने से नाला जगह–जगह टूट गया और जल निकासी बंद हो गई। जिससे गांव के लोगों के घर के सामने गंदा पानी फैल गया। ग्रामीणों के अनुरोध पर ग्राम प्रधान सड़क के किनारे ह्यूम पाइप डाल कर नाले का निर्माण कार्य एक सप्ताह पूर्व शुरू कारए लेकिन गांव के कुछ लोगों ने निर्माण कार्य रुकवा दिया और काहे की नल का पानी खेत में नहीं जाएगा। जबकि ग्रामीणों का कहना है कि तीस वर्ष से नाले का पानी उसी घूर गड्ढे की जमीन में जा रही है। इसके बाद जबरन लोग निर्माण कार्य रुकवा दिए। गांव के लोगों ने तहसील दिवस में भी इसकी शिकायत की है इसके बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

इस संबंध में ग्राम प्रधान भारत यादव ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या देख निर्माण कार्य तो शुरू कराया लेकिन गांव के कुछ लोगों ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। प्रशासन जब समस्या का हल निकलेगा तब निर्माण कर फिर शुरू होगा।

ठेकेदार के विरूद्ध एफ. आई.आर. का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर पालिका परिषद बस्ती के चार भवनों में लगभग 25 लाख रूपये से कराये गये रेन हार्वेस्टिंग के कार्यों में अनियमितता पाये जाने पर जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने संबंधित ठेकेदार के विरूद्ध एफआईआर कराने तथा तत्कालीन ईओ नगरपालिका के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही हेतु निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जल संसाधन समिति की बैठक में उन्होने यह निर्देश दिये है। पिछले माह सम्पन्न हुयी बैठक में उन्होने इसके जॉच के लिए अधिकारी नामित किया था, जिन्होने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वर्ष 2022–23 में नगरपालिका कार्यालय, ईओ के आवास, कान्हा गोशाला तथा जलकल भवन में ये कार्य कराये गये है, जो मौके पर टूटे–फूटे मिले है तथा इससे रेन हार्वेस्टिंग का कार्य बाधित है। नलकूप स्थापना में अपेक्षित भौतिक एवं वित्तीय प्रगति ना पाये जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता नलकूप संतलाल का वेतन रोकने का निर्देश दिया है।

यूपी के 65 शहर कचरामुक्त, वाराणसी, प्रयागराज को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली (आभा)। स्वच्छता सर्वेक्षण– 2023 में राष्ट्रीय स्तर पर यूपी के दो शहरों वाराणसी और प्रयागराज को पुरस्कृत किया गया है। राज्य पुरस्कार में नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, आगरा, फिरोजाबाद, लखनऊ, कानपुर, झांसी, गोरखपुर और वाराणसी को पुरस्कार मिला है। नोएडा, गाजियाबाद और अलीगढ़ को क्षेत्रीय पुरस्कार मिला है। यूपी में कचरा मुक्त शहरों (जीएफसी) में उत्कृष्ट प्रदर्शन और रैंकिंग में जबरदस्त सुधार हुआ है। ऐसे शहरों में पिछले दो वर्षों में 13 गुना की वृद्धि हुई है। वाराणसी को थ्री स्टार गार्बेज फ्री सिटी रेटिंग और प्रयागराज को वाटर प्लस सिटी का दर्जा भी मिला है।

नई दिल्ली में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से यह पुरस्कार नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि प्रदेश के दो प्रमुख शहरों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। हम अगले साल और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान विभाग एवं पुरस्कृत नगर निकायों के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि जोनल स्तर पर यूपी के तीन शहरों को उत्तरी जोन का पुरस्कार मिला है। इनमें बरवर, अनूप शहर और गजरौला शामिल हैं।

यूपी में 65 शहरों को कचरामुक्त होने का प्रमाण पत्र दिया गया है। वर्ष 2021 में केवल पांच शहर कचरा मुक्त घोषित किए गए थे। यूपी ने दो सालों में 13 गुना की वृद्धि की है। इस साल यूपी के सभी शहर खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित किए गए हैं। ओडीएफ की विभिन्न श्रेणी में दो निकायों ने पहली बार वाटर प्लस का प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।

ओडीएफ की अन्य श्रेणी में 129 निकायों को ओडीएफ डबल प्लस के रूप में प्रमाणित किया गया है। पिछले साल यह आंकड़ा 40 था। 435 यूएलबीएस को ओडीएफ प्लस के रूप में प्रमाणित किया गया है जबकि पिछले साल यह संख्या 411 थी।

यूपी के तीन शहरों को क्लीन सिटी नार्थ जोन का भी पुरस्कार मिला। इनमें बरवर, अनूपशहर और गजरौला शामिल हैं। एक लाख की आबादी में क्लीन सिटी का राज्य स्तरीय पुरस्कार नोएडा को मिला। जीएफसी शहरों में वन स्टार के 56, थ्री स्टार में आठ और फाइव स्टार में एक शहर शामिल हैं। इस वर्ष यूपी के सभी शहर ओडीएफ हो गए हैं। ओडीएफ की विभिन्न श्रेणी में दो निकायों को पहली बार वाटर प्लस प्रमाण पत्र मिला है। यूपी ने यह वॉटर प्लस प्रमाण पत्र पहले कभी नहीं मिला था।

ओडीएफ की अन्य श्रेणी में 129 निकायों को ओडीएफ डबल प्लस का प्रमाण पत्र मिला है। पिछले साल 40 को ही मिला था। 435 निकायों को ओडीएफ का प्रमाण पत्र मिला है। सभी श्रेणियों को मिलाकर यूपी के सभी शहर अब ओडीएफ हो गए हैं।

दिल्ली एनसीआर में भूकम्प का झटका

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली–एनसीआर में गुरुवार दोपहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके का अहसास होते ही लोग घरों से बाहर के लिए दौड़े। ऑफिसों में काम कर रहे लोग भी कामकाज छोड़कर इमारतों से बाहर आ गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.1 रही। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान–अफगानिस्तान सीमा पर था। फिलहाल कहीं से भी जान–माल की हानि की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके दिल्ली–एनसीआर समेत जम्मू–कश्मीर के पूंछ इलाके में भी महसूस हुए।

जान्हवी ने बढाया बस्ती का मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गन्ना सचिव मानवेन्द्र त्रिपाठी की पुत्री जान्हवी का आई.सी.एम. आर. नेशनल इंनसीच्यूट ऑफ कैंसर नोयडा में टेक्निकल असिस्टेन्ट न्यूट्रेशन पद पर हुआ है। शहर के बारी टोला निवासी जान्हवी की प्रारम्भिक शिक्षा स्वामीदयानन्द शिशु विद्या मंदिर से हुई। उसने चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर से स्नातक किया। जान्हवी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया इसके लिये प्रदेश की राज्यपाल ने उसे सम्मानित किया। जान्हवी के चयन पर उनकी माता उर्मिला तिवारी, बड़े पिता बालकृष्ण त्रिपाठी, डा. उर्मिला त्रिपाठी, धर्मेन्द्र त्रिपाठी एडवोकेट के साथ ही परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। जान्हवी ने अपनी सफलता का श्रेय परिजनों, और गुरुजनों को दिया है।

भाजपा नगर उपाध्यक्ष बनाये जाने पर आलोक पाण्डेय का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष आलोक पाण्डेय को पार्टी का नगर अध्यक्ष बनाये जाने पर प्रसन्नता का माहौल है। गुरुवार को घोषणा के बाद ही अनेक पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता आलोक पाण्डेय के पुराना डाकखाना के निकट स्थित आवास पर पहुंचे और फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। आलोक पाण्डेय ने कहा कि वे छात्र जीवन से ही भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता है। पार्टी ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है पूरी निष्ठा के साथ नगर क्षेत्र में भाजपा संगठन को और अधिक प्रभावी, मजबूत बनाया जायेगा।

आलोक पाण्डेय को पार्टी का नगर अध्यक्ष बनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से अरविन्द चौधरी, प्रमोद कन्नौजिया, कृष्ण कुमार पाण्डेय 'सोनू', आशीष शुक्ल, अमरदीप पाण्डेय, अतुल भट्ट, डब्लू श्रीवास्तव, शिवम पाण्डेय, श्याम अग्रहरि, रजत विश्वकर्मा, डिम्पल श्रीवास्तव, अमीर चन्द गुप्ता, सच्चिदानन्द, शरद सिंह रावत, सचिन, अशोक श्रीवास्तव, अनिल पाण्डेय, देवेन्द्र भट्ट, राजन गुप्ता, गौरव शुक्ल, सुधाकर प्रताप, अवधेश कुमार, उदयभान गौतम, मोनू सिंह, सचिन पाण्डेय, आयुष मिश्र, असीम खान, विष्णु भाष्कर आदि शामिल रहे।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी के तैयारियों में जुटा बस्ती प्रशासनःडीएम ने सौंपी जिम्मेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने सभी ग्राम प्रधानों, सचिवों, पेट्रोल पम्प मालिको, ढाबा संचालको को तैयारियों के लिए निर्देशित किया है। भारत रत्न पं0 अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ग्राम पंचायतों, पट्रोल पम्पों, ढाबा संचालको को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में हम सबके साथ बस्ती की प्रतिष्ठा जुड़ी हुयी है। बिहार एवं नेपाल से अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं को हम बेहतर सुविधा उपलब्ध करा सकें, इसके लिए हम सब को तैयार रहना है।

उन्होने कहा कि हाईवे के किनारे के ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायतों को साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखना है। बस्ती में पूरे हाईवे को 9 सेक्टर में बाटा गया है तथा 100 सफाई कर्मी तैनात किये गये है, जो आगामी 01 माह तक नियमित साफ–सफाई करते रहेंगे। इस क्षेत्र के निवासियों को इनका सहयोग करते हुए प्रयास करना है कि गंदगी ना फैलाई जाय। हाईवे के किनारे कही भी कूड़ा एकत्र ना किया जाय।

उन्होने कहा कि बाहर से आकर रात्रि विश्राम करने वाले लोगों का सम्पूर्ण विवरण रजिस्टर में दर्ज रखा जाय। उनकी गतिविधियों पर सतर्क निगाह रखी जाय। किसी विदेशी के ठहरने पर इसकी सूचना तत्काल संबंधित थाने को दी जाय। उच्चादेश प्राप्त होने पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैफिक नियंत्रण लागू करते हुए इसे ग्रीन जोन घोषित किया जायेगा।

उन्होने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग को गड्ढामुक्त रखते हुए लेवलिंग का कार्य कराया जा रहा है। पूरे राष्ट्रीय राजमार्ग को अतिक्रमण मुक्त रखा जायेगा। अच्छा वातावरण होने, साफ–सफाई रहने तथा बेहतर कार्यशैली के द्वारा हम अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को अपनी सेवाए दे सकेंगे। इसका सीधा फायदा बस्ती जनपद को मिलेगा।

अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्र ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को हाइजेनिक तरीके से खाना–पान की सामग्री उपलब्ध कराये। पेट्रोल पम्प बफर स्टाक रखें, ओवर रेटिंग ना करें। अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि सभी होटल एवं ढाबा मालिक रेटलिस्ट अवश्य लगायें। अपने कर्मचारियों का सत्यापन करा लें। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति के बारे में 9454401933 पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करें।

बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित 50 ग्राम पचायतों के ग्राम प्रधान तथा सचिव, 35 पेट्रोल पम्प मालिक तथा 40 ढाबा संचालको ने प्रतिभाग किया। इसमें एसडीएम सदर गुलाब चन्द्र, सीओ सदर विनय सिंह चौहान, डीपीआरओ रतन कुमार, जिला समन्वयक राजशेर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी भानु भाषकर कौल, एआरओ सुशील मिश्र, नवीन उपस्थित रहें।

पुस्तक मेले में झूम कर बिकी किताबें,सम्मानित हुये खिलाडी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के टाउन क्लब में चल रहे सात दिवसीय निःशुल्क प्रवेश वाले बस्ती पुस्तक मेले में पुस्तक प्रेमियों का उमड़ना देर रात तक जारी रहा। मेले में धर्म–अध्यात्म की राह दिखाने वाली किताबें भी बहुत हैं। वैदिक साहित्य केन्द्र के स्टाल वैदिक साहित्य तो है ही, दयानन्द सरस्वती की पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश भी उपलब्ध है।

नेशनल बुक ट्रस्ट– इंडिया नई दिल्ली के स्टाल की जिम्मेदारी संभाल रहे उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया की चिल्ड्रेन कार्नर से लोग अपने बच्चों के लिए भर भर कर किताबें खरीद कर ले जा रहें हैं। इससे यह जाहिर होता है की पुस्तकों के प्रति लोगों का प्रेम आज भी यथावत बना हुआ है। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के स्टाल वरिष्ठ सहायक हेम सिंह ने बताया की बस्ती जिले में पुस्तक प्रेमियों के चलते सभी प्रकाशकों का हौसला बढ़ा है। अनामिका प्रकाशन का स्टाल संभाल रही रेनू सिंह ने बताया की स्टाल पर बस्ती के इतिहास की पुस्तक खूब पसंद की जा रही है। गरुण प्रकाशन और इंडस स्क्राल के स्टाल पर राष्ट्रवाद और देशप्रेम पर आधारित लोगों को खूब लुभा रहीं हैं। रामकृष्ण मठ के स्टाल पर रामकृष्ण परमहंस और विवेकानन्द साहित्य खासकर युवाओं को आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा निखिल पब्लिकेशन,गीता प्रेस और वैदिक प्रकाशन के स्टाल पर रात के 9 बजे तक भीड़ का तांता लगा रहा।

युवा विकास समिति द्वारा नेशनल बुक ट्रस्ट–इंडिया भारत सरकार के सहयोग से लगाए गए पुस्तक मेले में आयोजकों की ओर से 24 खिलाडियों और खेल कोच को सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह मौजूद रहीं। इस मौके पर उन्होंने आयोजकों का हौसला बढाते हुए कहा की पुस्तक मेले से निश्चित ही नई पीढ़ी में पढने की ललक को बढ़ावा मिलेगा। नेहरू युवा केंद्र युवा अधिकारी अनुराग यादव और रानी दिनेश प्रताप सिंह ने भी संबोधित किया।

नेशनल हैंडबाल खिलाड़ी हिना खातून के अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में खेल कोच अजय कुमार जायसवाल, अजय श्रीवास्तव, विकास सरताज, मंजीत सरताज, अस्मिता गुप्ता, चन्द्र भूषण सिंह, सहित खिलाड़ी अथर्व त्रिपाठी, ऋतिक गुप्ता, कृष्णा, मान्या, रशीद अहमद,शिवा ठाकुर, संध्या राजपूत, प्रियांशु, आदित्य पटेल, आलोक कुमार, संजना राजभर, आलोक यादव, अंकुश यादव, सुगंध यादव, पूजा पाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संञ्चालन गरुन्द वज पाण्डेय ने किया।

इस दौरान पीएम सेल्फी पॉइंट पर रोज की तरह बच्चों और महिलाओं ने खूब सेल्फी ली। पुस्तक मेले में आयोजन से जुड़े सन्तो दुबे, धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, भृगुनाथ त्रिपाठी पंकज, अरुण कुमार, डॉ. नरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, उपेन्द्र, अनुराग श्रीवास्तव, संध्या दीक्षित, राम मूर्ति मिश्र, विशाल पाण्डेय, माधुरी, डॉ ज्योति सिंह, सहित तामाम लोग मौजूद रहे।

प्रभु श्रीराम के चरण कमल का अक्षत न्यौता वितरित करने निकले किन्नरों का हुआ भव्य स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । 'सिय राम मय सब जग जानी , करहु प्रणाम जोरी जुग पानी' गुरुवार को उभय लिंगी किन्नर समाज के लोग प्रभु श्रीराम के चरण कमल का अक्षत न्यौता वितरित करने निकले तो वातावरण आध्यात्मिक हो गया। बस्ती जनपद से सटे श्री अयोध्या धाम में आगामी 22 जनवरी को मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा आयोजन को लेकर हर तरफ उल्लास और उमंग का वातावरण है। इस प्रसन्नता में उभय लिंगी किन्नर भी पीछे नहीं है। इन्दिरा चैरिटेबल सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय के संयोजन में किन्नर समाज द्वारा प्रभु श्रीराम के चरण कमल का अक्षत न्यौता वितरित किया गया।

गुरुवार 11 जनवरी को तिरंगा चौराहे पर दिन में 1 बजे किन्नर समाज के लोग एकत्र हुये और राष्ट्रगान के बाद अश्वत्थ, लाउड स्पीकर, नगाड़ा, ढोल के साथ लगभग 50 किन्नरों का समूह जय श्रीराम का उद्घोष करते हुये प्रेस क्लब होते हुये शिव मंदिर कम्पनीबाग, सागर इलेक्ट्रिक, हनुमान मंदिर, श्री हनुमान मंदिर, श्रीराम जानकी मंदिर, भारतीय भाईयों की दूकान आदि स्थानों पर अक्षत न्यौता वितरित करते हुये बजे राजकीय इण्टर कालेज पहुंचे यहां नुक्कड़ सभा के बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। स्थान–स्थान पर श्रद्धालुओं ने न्यौता लेने के साथ ही किन्नरों का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

इन्दिरा चैरिटेबल सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि सोसायटी द्वारा किन्नर समाज के उत्थान, बेहतर शिक्षा और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के लिये कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं जिससे वे समाज की मुख्य धारा से जुड़कर प्रतिष्ठा अर्जित करें। इसी का परिणाम है कि बड़ी संख्या में किन्नर समाज के लोग श्रीराम कार्य में शामिल हुये। बताया कि किन्नर समाज हमारे अभिन्न अंग है और शुभ कार्यों में इनकी भूमिका अग्रणी रही है।

बताया कि इन्दिरा चैरिटेबल सोसायटी द्वारा किन्नर समाज को हुनरमंद बनाये जाने की दिशा में निरन्तर कार्य जारी है। शोभा यात्रा और अक्षत न्यौता वितरण में मुख्य रूप से काजल, सुमन, कशिश, मुमताज, शिफा के साथ ही बडी संख्या में किन्नर समाज के लोग शामिल रहे।

-किन्नरों को मुख्य धारा से जोडने का प्रयास जारी-अजय कुमार

सोते हैं जो फुटपाथों पर उन्हें एक छोटा सा घर दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । टाउन क्लब में चल रहे पुस्तक मेले में वरिष्ठ साहित्यकार सत्येन्द्रनाथ मतवाला की स्मृति में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन मुशायरे का आयोजन किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र और संचालन वरिष्ठ कवि डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने किया। मुख्य अतिथि महेश प्रताप श्रीवास्तव ने कहा कि कवितायें हमें संवेदनशील और करूणामय बनाती है। यह कवि से ही संभव है कि वह वर्तमान के साथ ही भविष्य के उल्लास, वेदना को भी रेखांकित करने में समर्थ है।

अर्चना श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से आरम्भ कवि सम्मेलन में डा. वी.के. वर्मा की रचना ' जिसने जन्म लिया है वर्मा, उसे एक दिन मरना है, भाति–भांति के परिवर्तन से हमें तनिक न डरना है, सुनाकर जीवन के मर्म पर रोशनी डाली। विनोद उपाध्याय 'हर्षित' ने कुछ यूं कहा ' अदब के लिहाज से खामोश हो गया, वरना आपके सवाल का बेहतर जबाब था' सुनाकर वाहवाही लूटी। कानपुर से पधारी प्रख्यात कवयित्री डा. अंजना कुमार की रचना ' दिल क्या लगा लिया उनसे हमने, तब से बेकरारी ही बेकरारी है' के साथ ही श्रृंगार और ओज की अनेक रचनाओं से वातावरण को सरस बना दिया। संचालन कर रहे डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' ने कुछ यूं कहा–' नया वर्ष कुछ ऐसा कर दे, सबके भीतर खुशियां भर दे, सोते हैं जो फुटपाथों पर उन्हें एक छोटा सा घर दें' के साथ अनेक रचनाओं के द्वारा श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि महेश श्रीवास्तव की पंक्तियां ' कांटों की जिन्दगी हो या फूलों की जिन्दगी' जो कुछ भी हो लेकिन हो वसूलों की जिन्दगी' सुनाकर संदेश दिया। इसी कड़ी में समीर तिवारी, डा. अफजल हुसेन अफजल, अजय श्रीवास्तव ' अश्क', अर्चना श्रीवास्तव, डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', डा. पारस वैद्य, डा. अजीत 'राज', विशाल पाण्डेय, रहमान अली 'रहमान', अनवार पारसा, अशद वस्तवी, दीपक सिंह 'प्रेमी', पंकज सोनी, अदम्य पाण्डेय आदि की रचनायें सराही गई। अध्यक्षता कर रहे डॉ. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने वरिष्ठ साहित्यकार सत्येन्द्रनाथ मतवाला की स्मृति को नमन् करते हुये कुछ यूं कहा ' दिखती चारो तरफ भव्यता, राम संस्कृति, राम सभ्यता' के द्वारा मर्यादा पर जोर दिया।

कार्यक्रम में वृहस्पति पाण्डेय ने कविगणों का सम्मान करते हुये आभार ज्ञापन किया। मुख्य रूप से पंकज त्रिपाठी, धर्मेन्द्र पाण्डेय, डा. राम मूर्ति त्रिपाठी के साथ ही बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

–पुस्तक मेले में साहित्यकार सत्येन्द्रनाथ 'मतवाला' की स्मृति में कवि सम्मेलन

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 जनवरी 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

बोतलबंद पानी का सच

तमाम चिकित्सा अनुसंधानों व दवाओं की खोज के बाद भी देश–दुनिया में यदि रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है तो उसकी वजह हमारी जीवनशैली में शामिल वे कारक हैं, जिनकी घातकता का हमें बोध ही नहीं है। हमारी हवा, पानी व मिट्टी तो प्रदूषित हैं ही, लेकिन आधुनिक जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिये बाजार ने जो विकल्प हमें दिये हैं, वे भी हमारे जीवन में जहर घोल रहे हैं। बाजार ने मुनाफे के लिये सस्ते विकल्प तो दिये लेकिन साथ ही बीमारियों के लिये भी उर्वरा जमीन तैयार कर दी है। नित नये–नये शोध–अनुसंधान उन परतों को खोल रहे हैं, जो हमारे जीवन में बीमारियां बांट रही हैं। अब अमेरिका में हुए ताजा अनुसंधान में पता चला है कि हम पीने के पानी के लिये जिन प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करते हैं उनमें पैदा होने वाले नैनोप्लास्टिक्स कई घातक रोगों की वजह बन रहे हैं। आज सुविधा के लिये हम सफर में, स्कूल–कॉलेज तथा ऑफिस जाने के दौरान प्लास्टिक वाली पानी की बोतल लेकर चलते हैं। अब कहा जा रहा है कि इस पानी में उत्पन्न होने वाले प्लास्टिक के सूक्ष्मकण कई रोगों को उत्पन्न कर रहे हैं। यूं तो हम जानते हैं कि प्लास्टिक से तमाम तरह के नुकसान होते हैं। लेकिन नये अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि एक लीटर पानी वाली बोतल में तीन लाख से अधिक प्लास्टिक के सूक्ष्म कण होते हैं। ये अध्ययन अमेरिका की तीन शीतल जल बेचने वाली कंपनियों की बोतलों के नमूने लेकर किया गया है। ऐसे में भारत में बिकने वाली, गुणवत्ता के लिहाज से हल्की बोतलों से यह संकट कितना बड़ा हो सकता है, अंदाज सहज ही लगाया जा सकता है। दरअसल, यह ताजा अध्ययन शोधकर्ताओं द्वारा नैनोप्लास्टिक पर केंद्रित था। बता दें कि नैनोप्लास्टिक्स माइक्रोप्लास्टिक्स से भी काफी छोटे होते हैं। हाल ही में जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल अकादमी ऑफ साइंसेज ने इस रिपोर्ट को विस्तार से प्रकाशित किया है।

दरअसल, अमेरिका में कोलंबिया विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने बेहद परिष्कृत तकनीक से बोतलबंद पानी में इन सूक्ष्म कणों की गणना की है। चिंता की बात यह है कि प्लास्टिक के सूक्ष्म कण हमारे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं। अध्ययन बताता है कि बोतलबंद पानी में प्लास्टिक कण पहले के अनुमान से बढ़कर सौ गुना अधिक संख्या में हो सकते हैं। दरअसल, ये नैनोप्लास्टिक्स आकार में इतने सूक्ष्म होते हैं कि आंतों व फेफड़ों से सीधे खून में प्रवेश कर सकते हैं। जो कालांतर हमारे दिल व दिमाग को भी प्रभावित कर सकते हैं। इनकी घातकता का खतरा इसलिए भी है कि ये माइक्रोप्लास्टिक्स की तुलना में जल्दी हमारी कोशिकाओं व रक्त में प्रवेश करके शरीर के अवयवों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने चिंता जतायी है कि प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण नाल के जरिये अजन्मे बच्चे की देह तक भी पहुंच सकते हैं। यहां तक चिंता जतायी जा रही है कि प्लास्टिक में मौजूद विषैले कणों से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की आशंका पैदा हो सकती है। दरअसल, सूर्य की किरणों के संपर्क में आने पर प्लास्टिक घातक टॉक्सिन उत्पन्न कर सकता है। इतना ही नहीं, शोधकर्ता सूक्ष्म कणों वाले पानी के सेवन से मधुमेह के उत्पन्न होने की संभावनाओं की ओर इशारा कर रहे हैं। एक रसायन के चलते मोटापा, मधुमेह, प्रजनन से जुड़े विकार तथा किशोरियों के शारीरिक परिवर्तनों में तेजी ला सकते हैं। इसके अलावा थैलेट्स नामक रसायन से लीवर से जुड़ा कैंसर पैदा होने तथा पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या कम होने की आशंका बढ़ जाती है।

कहीं न कहीं प्लास्टिक की बोतलों में पाये जाने वाले रसायन लोगों के प्रतिरक्षातंत्र को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि लोग पीने के पानी के लिए परंपरागत विकल्पों को गंभीरता से लें। सुरक्षित होगा कि हम दैनिक व्यवहार में प्लास्टिक की बोतल के स्थान पर स्टील, कांच या तांबे की बोतल को प्राथमिकता दें। ये बोतल थोड़ी महंगी या भारी जरूर हो सकती हैं लेकिन सेहत के लिये अपरिहार्य हैं।

मालदीव प्रकरण और भारत का चरित्र

–आशीष वशिष्ठ–

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालिया लक्षद्वीप यात्रा में प्रधानमंत्री ने स्नॉर्कलिंग करते हुए फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की थी कि रोमांच पसंद लोग पर्यटन के लिए देश में लक्षद्वीप आएं। जिसके बाद लाखों लोगों ने लक्षद्वीप को गूगल पर सर्च किया। जिसे मालदीव के नेताओं ने उनके पर्यटन के लिये चुनौती माना। अपरिपक्व राजनेताओं ने आनन–फानन बेतुके बोल सोशल मीडिया पर शेयर करने शुरू कर दिये। ये काम एक ऐसे पड़ोसी देश की मंत्री और नेताओं की तरफ से किया गया, जिसका साथ भारत ने कई बार मुश्किल वक्त में दिया है। शायद यही वजह थी कि कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर बॉयकॉट मालदीव और एक्सपलोर लक्षद्वीप ट्रेंड करने लगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए राष्ट्रपति मुइज्जू ने चीन की यात्रा पर रवाना होने से पहले ही भारत और मोदी विरोधी टिप्पणी करने वाले तीन मंत्रियों की छुट्टी करते हुए विवाद को ठंडा करने का प्रयास किया किंतु तब तक उसे जो नुकसान होना था वह तो हो ही चुका था।

भारत में जिस तेजी से मालदीव के बहिष्कार और लक्षद्वीप के प्रति उत्सुकता उत्पन्न हुई उसने मालदीव की अकड़ ढीली कर दी। वैसे भी प्रधानमंत्री जहां जाते हैं वहां की खूबियों का बखान करना नहीं भूलते। कुछ समय पहले वे उ.प्र के पिथौरागढ़ में स्थित आदि कैलाश गए थे जहां से तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत नजर आता है। उनकी इस यात्रा के चित्र प्रसारित होते ही आदि कैलाश एक नए पर्यटन केंद्र के तौर पर प्रसिद्ध हो गया।

बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड होने के साथ ही मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों द्वारा यात्रा रद्द होने की खबरें आने लगीं। इसी के साथ ही लक्षद्वीप के प्रति जबरदस्त रुझान देखा जाने लगा। अनेक अभिनेताओं और प्रमुख हस्तियों द्वारा मालदीव की बजाय लक्षद्वीप को प्राथमिकता देने की अपील किए जाने से मुइज्जू सरकार सकते में आ गई। भारत सरकार ने भी उनके राजदूत को बुलाकर कड़े शब्दों में समझा दिया। सबसे बड़ी बात ये हुई कि मालदीव के भीतर ही नए राष्ट्रपति के भारत विरोधी रवैए की आलोचना शुरू हो गई।

हिन्द महासागर में स्थित द्वीपनुमा देश मालदीव की मुख्य आय पर्यटन है। यहां के समुद्र तट बेहद खूबसूरत हैं। चूंकि भारत से यह देश करीब है इसलिए यहां से प्रतिवर्ष लाखों सैलानी मालदीव घूमने जाते रहे हैं। अनेक भारतीय फिल्मों की शूटिंग भी यहां हो चुकी है। अपने चुनाव प्रचार में 'इंडिया आउट' का नारा देने वाले चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू के नवंबर, 2023 में राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत और मालदीव के संबंधों पर सवाल उठे हैं, लेकिन ऐतिहासिक तौर पर दोनों देश के बीच दोस्ताना संबंध रहे हैं। मालदीव के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह खुलकर भारत के साथ थे। राष्ट्रपति मुइज्जू ने चुनाव जीतने के साथ ही वहां मौजूद भारतीय सैनिकों को वापस बुलाने की मांग कर डाली। दरअसल वहां कुछ ऐसे काम चल रहे हैं जिनके कारण भारतीय सेना के कुछ लोग मालदीव में हैं। हेलीकॉप्टर एवं कुछ अन्य उपकरणों के संचालन के लिए दोनों देशों में हुए समझौते के अंतर्गत वे सैनिक वहां पदस्थ हैं । हालांकि ये संख्या इतनी बड़ी नहीं कि उसके आंतरिक मामलों में दखल दे सके। मुस्लिम बहुल मालदीव के साथ भारत के रिश्ते काफी अच्छे रहे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मालदीव की स्थिरता, सक्रियता, लोकतंत्र और बुनियादी अर्थव्यवस्था सिर्फ भारत के कारण ही है। हर संकट में भारत ने मालदीव की मदद की है। दरअसल, विपक्षी नेता मौजूदा मालदीव सरकार को आईना दिखा रहे हैं कि मालदीव आर्थिक, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार, पर्यटन व सामाजिक स्तर पर सदैव भारत पर आश्रित रहा है। यहां तक कि भारत ने कई बार मालदीव में लोकतंत्र की रक्षा की है। मालदीव ने पानी मांगा, तो भारत ने उसकी प्यास बुझाई। मालदीव को भूख लगी, तो खाना और अनाज मुहैया कराए गए, आर्थिक मदद ही नहीं की गई, बल्कि 2023–24 के बजट में 400 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया, ताकि चालू परियोजनाएं जारी रह सकें।

बागियों ने लोकतंत्र का अपहरण कर तख्तापलट करना चाहा, तो भारत ने सैन्य सहायता भेजकर मालदीव की सुरक्षा और स्थिरता तय की। मालदीव में 30 फीसदी डॉक्टर और 25 फीसदी शिक्षक 'भारतीय' हैं। वहां के 2200 से अधिक लोक सेवकों, नौकरशाहों, तकनीशियन, न्यायाधीशों, पुलिस अधिकारियों और सार्वजनिक प्रसारकों को भारत ने ही प्रशिक्षण देकर तैयार किया है। जब मालदीव में खसरे का प्रकोप फैला, तो उस रोग के इंजेक्शन भारत ने दिए। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान टीके की एक लाख से अधिक खुराकें भी भारत ने ही मुहैया कराई। भारत नियमित तौर पर दवाइयां, फल और सब्जियों की आपूर्ति भी करता है, ताकि मालदीव में खाद्य संकट न हो और वह हमारे एक इलाके जितना देश बीमार भी न पड़े।

यह तथ्य भी गौरतलब है कि मालदीव के लोग बीमारियों का इलाज कराने भारत ही आते हैं। इतने एहसानों तले दबे देश के तीन युवा मंत्रियों को भारतीय पसीने में बदबू आती है। भारत खुले में शौच करने वाला देश है। इन मंत्रियों की इतनी औकात और हिमाकत है कि वे भारत के प्रधानमंत्री और भारत राष्ट्र के प्रति अभद्र, अपमानजनक बदजुबानी कर सकें। भारत मालदीव का क्या कर सकता है, वह सिर्फ 3–4 दिन में ही सामने आ गया। हमारे अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों, सुपर स्टार अभिनेताओं, उद्योगपतियों ने फिलहाल मालदीव का बहिष्कार घोषित किया है।

दुनिया में सबसे ज्यादा 2.09 लाख भारतीय सालाना तौर पर मालदीव पर्यटन को जाते हैं। लक्षद्वीप पर प्रधानमंत्री मोदी के बयान और उनकी अपील के बाद 'मेक माय ट्रिप' प्लेटफॉर्म पर लक्षद्वीप की सर्च 3400 फीसदी बढ़ गई है। गूगल पर लक्षद्वीप की सर्च ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ट्रेवल एंड टूर कंपनियों ने तुरंत प्रभाव से हवाई उड़ानों की टिकट और होटल, रिसॉर्ट की बुकिंग रद्द करवा दी हैं। इस बीच इजरायल सरकार ने लक्षद्वीप में विशेष प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा की है। यदि यह सिलसिला जारी रहा और भारतीयों ने लक्षद्वीप में सैर–सपाटे का नया विकल्प ढूंढ लिया, तो मालदीव की आर्थिकी ध्वस्त हो सकती है। बहरहाल सवाल राजनयिक मर्यादाओं का है। उन्हें लांघ कर मालदीव एक एहसान फरामोश देश बन गया है। विदेश मंत्रालय ने उसके उच्चायुक्त को तलब कर अपनी नाराजगी जता दी है। भारत के पक्ष में बयान देने वाले नेताओं में मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद, पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद आदि शामिल रहे हैं। यहां तक कि मुइज्जू के इंडिया आउट के नारे के विपरीत पूर्व राष्ट्रपति सोनिह ने इंडिया फर्स्ट की नीति क्रियान्वित की थी।

इस संपूर्ण घटनाक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता और भारत की कूटनीतिक दृढ़ता एक बार फिर प्रमाणित हो गई। मालदीव की नई सरकार के भारत विरोधी रुख के जवाब में प्रधानमंत्री ने लक्षद्वीप के समुद्र तट पर टहलते हुए थोड़े शब्दों में जो कुछ कहा उसका इतना बड़ा असर होगा ये किसी ने नहीं सोचा था। राष्ट्रपति मुइज्जू के भारत विरोधी बयानों का सीधा जवाब देने के बजाय उन्होंने मालदीव की पर्यटन रूपी रीढ़ पर प्रहार कर दिया। निश्चित रूप से ये बहुत ही चतुराई भरा दांव था जिसका जबरदस्त असर देखने मिला। भले ही राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्जू सबसे पहले चीन की यात्रा पर गए हों किंतु नई दिल्ली के कड़े रुख के बाद उनको ये तो महसूस हो ही गया होगा कि भारत से ऐंठना उतना सरल नहीं जितना वे समझ बैठे थे। मालदीव ही नहीं पूरी दुनिया को यह समझ लेना चाहिए ये बदला हुआ भारत है। जो पूरी मजबूती से जवाब देना जानता है। वहीं इस मुद्दे पर प्रसिद्ध लोगों के साथ आमजन के प्रतिकार से एक बात साफ हो गई है कि देशवासियों में नेशन फर्स्ट की भावना बलवती हो रही है।

अपराध के खिलाफ बने सशक्त सोच

–विश्वनाथ सचदेव–

पिछले डेढ़ साल में पहली बार बिलकिस बानो के चेहरे पर मुस्कान आयी है। सामूहिक बलात्कार और हत्या के अपराधियों को सजा में मिली छूट के खिलाफ बिलकिस बानो की याचिका पर निर्णय देते हुए उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में 11 अपराधियों को मिली छूट को धोखाधड़ी (फ्रॉड) कहा है। और गुजरात सरकार की इस कार्रवाई को अनधिकार चेष्टा भी। उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार बलात्कार और हत्या के इन ग्यारह दोषियों को यदि सजा में कोई छूट मिलती भी है तो वह गुजरात सरकार के नहीं, महाराष्ट्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती, जहां न्यायालय ने सजा सुनाई थी। ज्ञातव्य है कि आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे इन अपराधियों को सनद्द 2002 के गुजरात दंगों के दौरान 'अमानुषिक अपराध' करने के लिए दोषी पाया गया था। संभव है न्यायालय के नवीनतम निर्णय को देखते हुए अब यह अपराधी महाराष्ट्र सरकार से सजा की छूट पाने की कोशिश करें।

ज्ञातव्य यह भी है कि डेढ़ साल पहले जब इन अपराधियों को गुजरात सरकार ने अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए सजा में छूट दी थी तो जेल से छूटने पर इन अपराधियों का सार्वजनिक स्वागत हुआ था, इन्हें मालाएं पहनाई गयी थीं, माथे पर तिलक लगाया गया था। यही नहीं, विश्व हिंदू परिषद जैसी संस्थाओं ने इन्हें नायक की तरह प्रस्तुत किया था। एक गर्भवती महिला के साथ सामूहिक बलात्कार करने और बिलकिस की 3 वर्ष की बच्ची समेत उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने वालों को मान देने की मानसिकता पर भी आज सवाल उठाना जरूरी है।

न्यायालय ने अपना काम किया है, आगे भी कानून के शासन के ऐसे उदाहरण मिलते रहेंगे। न्याय के लिए लड़ने वाली बिलकिस बानो को देश में समर्थन भी मिला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे भी इस तरह का समर्थन पीड़ितों को मिलता रहेगा। लेकिन सवाल जो उठता है वह यह है कि कानून के शासन में विश्वास करने वाले समाज में अपराधियों को समर्थन देने की मानसिकता कैसे और क्यों पनपती है। डेढ़ साल पहले जब यह ग्यारह अपराधी जेल से बाहर आये थे तो मालाएं पहनाकर इनका स्वागत करने वालों को भी अपराधी क्यों न माना जाये? कानून भले ही ऐसे तत्वों को अपराधी न मानता हो, पर आपराधिक मानसिकता के आरोप से ये मुक्त नहीं हो सकते। यह अवसर इस मानसिकता के खिलाफ भी आवाज उठाने का है। सामूहिक बलात्कार को अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार 'मनुष्यता के खिलाफ अपराध' माना गया है। किसी भी सभ्य समाज में ऐसे अपराधों के लिए सजा होनी चाहिए। साथ ही, अपराधी वे भी हैं जो ऐसे अपराधों को समर्थन देते हैं, महिमा–मंडित करते हैं।

कुछ ही अर्सा पहले हमने मणिपुर में भी एक घृणित कृत्य होते देखा था। वहां महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़कों पर घुमाया गया, उनके साथ दुराचार हुआ और समाज का एक वर्ग तमाशबीन बना देखता रहा। सच तो यह है कि यह व्यवहार बलात्कार के अपराध से कम नहीं है। मणिपुर की उन अभागी महिलाओं को न्याय कब मिलेगा, मिलेगा भी या नहीं, पता नहीं। पर सवाल उठता है कि उन अपराधियों को सजा दिये जाने की बात क्यों नहीं होती जो ऐसे अपराधों को या तो मूक समर्थन देते रहते हैं, या फिर ऐसे अपराधियों को मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन करते हैं।

कौन हैं वे लोग, जिन्होंने बिलकिस बानो और उसके परिवार के साथ अत्याचार करने वालों का जेल से बाहर आने पर स्वागत–सत्कार किया? यह ग्यारह लोग निरपराधी घोषित होकर जेल से नहीं छूटे थे, 'इन्हें 'सदध्व्यवहार' के नाम पर सजा में छूट दी गयी थी, इसलिए ये बाहर आए थे। यह सही है कि हमारे देश में इस छूट का प्रावधान है, पर क्या यह भी सही नहीं है कि कुछ अपराध ऐसे भी होते हैं जिनमें सजा में इस तरह की छूट नहीं होनी चाहिए? बलात्कार अपने आप में जघन्य अपराध है, सामूहिक बलात्कार और भी बड़ा अपराध है, और बलात्कार करके हत्या करना इस बड़े से भी बड़ा अपराध! जेल की सजा के दौरान 'सदध्व्यवहार' के नाम पर ऐसे अपराधियों को यदि कोई छूट मिलती है तो विवेक का तकाजा है कि उस पर सवालिया निशान लगे।

सवाल यह भी है कि यदि अपराधी अपने कृत्य पर खेद प्रकट नहीं करता, यह अनुभव नहीं करता कि उससे कोई गलती ही नहीं, अपराध हुआ है, तो उसके व्यवहार को सदध्व्यवहार की श्रेणी में कैसे रखा जा सकता है? क्या यह हकीकत नहीं है कि बिलकिस बानो जैसी महिलाओं को लगातार आतंक के साये में जीना पड़ता है? लगातार उन पर दबाव होता है कि वह अपनी शिकायत वापस ले लें? हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ साल में, यानी जब से ये अपराधी कथित सदध्व्यवहार का पुरस्कार पाकर जेल से बाहर आये हैं, बिलकिस बानो चौन की नींद नहीं सो पायी?

अब उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद बिलकिस बानो ने अपने वकील के माध्यम से यह कहलवाया है कि जैसे कोई मनो भारी पहाड़ उसके सीने से उतर गया है। डेढ़ साल में पहली बार अपने बच्चों से लिपट कर उसने खुशी के आंसू बहाये हैं। बिलकिस का यह कहना कम महत्वपूर्ण नहीं है कि 'मैं सुप्रीम कोर्ट की आभारी हूं कि उसने मुझे, मेरे बच्चों को, और सब महिलाओं को समान न्याय के अधिकार देने की उम्मीद जगाई है।' बिलकिस बानो ने उन जैसे सैकड़ों लोगों का आभार भी व्यक्त किया है जो अदालती लड़ाई में उसके साथ खड़े रहे। वह देश के उन करोड़ों लोगों की भी आभारी हैं जिनकी सहानुभूति उसे मिली है। ऐसे लोग हमारे देश में जो अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने में गर्व का अनुभव करते हैं। पर उनका क्या जो अन्याय करके या अन्याय का समर्थन करके स्वयं को गौरवान्वित समझते हैं?

अपराधियों का साथ देना या उनका समर्थन करना शर्म की बात होनी चाहिए। ऐसी शर्म किसी सभ्य समाज को भी परिभाषित करती है। मणिपुर की सड़कों पर महिलाओं के साथ दरिंदगी करने वाले हों या बलात्कार और हत्या के घोषित अपराधियों का अभिनंदन करने वाले, मनुष्यता को कलंकृत करते हैं ये लोग। मनुष्यता का तकाजा है कि समाज में अपराध के विरुद्ध भावना पनपे। इसके लिए हर स्तर पर, हर संभव कोशिश होनी चाहिए। बिलकिस बानो के इस कांड में जिसने भी गलत व्यवहार किया है, वह दंड का भागी है। सिर्फ कानून ही दंड नहीं देता, समाज भी उचित और विवेकपूर्ण व्यवहार करके आपराधिक तत्वों को सजा दे सकता है।

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बिलकिस को मिला इंसाफ

–रोहित माहेश्वरी–

सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो के साथ बलात्कार और उनके परिवार वालों की हत्या करने के मामले में सजा पाए 11 दोषियों की सजा में छूट देकर रिहा करने के फैसले को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने ये फैसला सुनाया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद इन 11 अपराधियों को दो हफ्ते के अंदर जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करना होगा। गुजरात में 2002 के दंगों के दौरान इन 11 लोगों ने बिलकिस बानो जो कि उस वक्त गर्भवती थी, का सामूहिक बलात्कार किया था। इसके साथ ही 14 लोगों की हत्या भी की गई थी, जिनमें बिलकिस बानो की तीन वर्षीय बेटी भी शामिल थीं। बिलकिस बानो केस में सर्वोच्च अदालत के फैसले ने साबित कर दिया कि इंसाफ और कानून अभी जिंदा हैं। अपराधियों को मुक्त नहीं किया जा सकता। अपराधी और उनके सत्ताई आका कानून के सामने बौने हैं। अंततः उन्हें कानून के सामने आत्म–समर्पण करना ही पड़ेगा।

गुजरात पुलिस ने साल 2002 में कहा था कि इस केस को बंद कर देना चाहिए क्योंकि वह अपराधियों को ढूंढ़ नहीं पाई है। इसके बाद बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि इस केस की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए। इसके बाद ये मामला गुजरात से महाराष्ट्र भेजा गया। साल 2008 में सीबीआई की विशेष अदालत ने इन 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा दी। आजीवन कारावास की सजा पूरे जीवन के लिए होती है लेकिन सरकार के पास ये अधिकार होता है कि वो अपराधी का अच्छा आचरण देखकर 14 साल बाद उसे रिहा कर दे। सरकार इस मामले में दूसरी शर्तें भी लागू कर सकती है, जैसे संबंधित कैदी को कब रिहा किया जाए। इसके बाद अप्रैल 2022 में राधेश्याम भगवान शाह नामक अपराधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली कि गुजरात सरकार को साल 1992 की एक नीति के तहत उनकी सजा माफी पर निर्णय लेना चाहिए। गुजरात सरकार ने इसका विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ के मुताबिक इसका फैसला महाराष्ट्र सरकार को करना होगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने राधेश्याम भगवान शाह की याचिका को मंजूरी दे दी। इसके पहले राधेश्याम भगवान शाह ने गुजरात हाई कोर्ट में भी समान याचिका डाली थी। लेकिन गुजरात हाई कोर्ट ने कहा कि सजा माफी की शक्ति महाराष्ट्र सरकार के पास है।

इसके बाद गुजरात सरकार ने अगस्त 2022 को सारे 11 अपराधियों की सजा माफ करके उन्हें रिहा कर दिया। वह गुजरात सरकार का निर्णय था। हालांकि इस संदर्भ में 1992 और 2014 के कानूनों के मद्देनजर वह रिहाई अवैध थी, क्योंकि वह गुजरात सरकार का अधिकार–क्षेत्र ही नहीं था। कानून की गलत व्याख्या ही नहीं की गई, बल्कि अदालत से भी तथ्य छिपाए गए और गलत जानकारी दी गई। यह गुजरात सरकार का न्यायिक अपराध था। क्या इनकी जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? 15 अगस्त देश का स्वतंत्रता दिवस होता है, लेकिन उसी दिन दरिंदगी वाले अपराधियों की न केवल सजा माफ की गई, बल्कि उन्हें सम्मानित रिहाई भी दी गई, मिष्ठान्न खिलाए गए और फूलों की माला पहनाई गई! यह सम्मान किसलिए दिया गया?

बिलकिस का माद्दा है कि वह अदालती लड़ाई लड़ती रही। उसके पास संसाधन भी पर्याप्त नहीं थे। वह मानसिक और भावनात्मक तौर पर ढह चुकी थी।

लकड़ी माफिया को गिरफ्तार करने पहुंची टीम पर हमला, दो घायल

संवाददाता–महराजगंज। सदर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कटहरा गांव के उसरहवा टोले पर गुरुवार को वन विभाग की टीम मुखबिर की सूचना पर एक लकड़ी माफिया को गिरफ्तार करने पहुंची, इस दौरान लकड़ी माफिया के परिजनों ने वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला बोल दिया। इस घटना में दो वनकर्मी घायल हो गए। वही सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम की मदद से लकड़ी माफिया को टीम ने काफी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर ली हैं। वन विभाग के इस कार्रवाई से घंटों अफरा तफरी का माहौल बना रहा।

पकड़ी रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी अनुराग आनंद ने कहा कि कटहरा गांव के उसरहवा टोला निवासी मकोल पर वन विभाग की 24 केस दर्ज है। उसके बावजूद भी आरोपी मकोल जंगलों से कीमती लकड़ियों को काटकर अवैध तरीके से बेचता था जिसकी काफी दिनों से तलाश की जा रही थी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली की आरोपी मकोल जंगल से लकड़ियों की कटान कर घर आकर छिपा है। उक्त सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच घेराबंदी कर दी। घर के चारों तरफ वन विभाग की टीम को देख आरोपी के परिजन उसे भगाने के लिए टीम पर जानलेवा हमला बोल दिए। जिस दौरान वन दरोगा तरंग तिवारी और उपक्षेत्रीय वनाधिकारी कासिम अली घायल हो गए।

घटना की सूचना पुलिस को दी गई। उसके बाद तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस टीम की मदद से काफी मशक्कत करने के बाद आरोपी मकोल को गिरफ्तार कर लिया गया। इतना ही आरोपी मकोल के घर से बड़े पैमाने पर जंगल की अवैध कीमती लकड़िया भी बरामद की गई हैं। आगे कहा कि घायल वन कर्मियों को इलाज कराया जा रहा है। जबकि गिरफ्तार आरोपी मकोल के खिलाफ आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। जबकि अन्य आरोपी जगदीश, मोहन, जितेंद्र, लल्ले और कोडल की तलाश जारी है। उन्हे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अलाव की आग से जलकर मासूम की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। अलाव की चिनगारी से अचानक चारपाई के विस्तार में आग लगी गई। इससे विस्तार के साथ ही विस्तार पर लेटा तीन वर्षीय बालक जल गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने बालक को आग से निकालकर सीएचसी ले गए जहां से उसे बहराइच रेफर कर दिया गया। अस्पताल बहुचने पर चिकित्सकों ने बालक को मृत घोषित कर दिया।

हरदत्तनगर गिरंट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत महरूमूर्तिहा के मजरा बंजारन पुरवा निवासी साबिर बंजारा की पत्नी बुधवार की देर शाम को घर का काम खतम कर तसले में आग जलाकर हाथ सेंक रही थी। बगल में चारपाई पड़ी थी और चारपाई के विस्तार में उसका बेटा रितिक रोशन (4) सो रहा था। इस दौरान बड़ी बेटी को शौच लग गई तो महिला बेटी को शौच करने बाहर चली गई। तभी रजाई का एक हिस्सा विस्तर से नीचे लटककर अलाव पर गिर गया और विस्तर में आग लग गई। कुछ ही देर में आग पूरे विस्तार में फैल गई और विस्तर के साथ ही रितिक भी जलने लगा। रितिक का शोर सुनकर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे तो कमरे से भीषण धुआं निकल रहा था। इस पर लोग घर के पहुंचे तो पूरा विस्तार धूं धूं कर जल रहा था। लोगों ने किसी तरह बालक को आग में से बाहर निकाला लेकिन तबतक वह बुरी तरह से झुलस चुका था। मौके पर पहुंची मां झुलसे हुए बेटे को देख रोने चिल्लाने लगी। लोगों की ओर से एंबुलेंस को बुलाया गया और आनन फानन में बालक को सीएचसी मल्हीपुर ले गए। जहां हालत गंभीर देखते हुए बालक को जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। लोग बाल को लेकर जिला अस्पताल बहराइच पहुंचे जहां चिकित्सकों ने बालक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मातृभाषा हिंदी भारत के सर का मुकुट है -सिद्ध बाबा महंत नरसिंह दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।मातृभाषा हिंदी भारत के सर का मुकुट है इसके बिना भारत देश की परिकल्पना नही की जा सकती,देश तब तक अधूरा है जब तक हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं बनती, उक्त उद्गार आज यहां विश्व विराट विजय राघव मंदिर नया घाट अयोध्या में हिंदी प्रचार प्रसार सेवा संस्थान द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में हिंदी विषय पर आयोजित परिचर्चा में साहित्य प्रेमियों को अपने अध्यक्षीय उदबोधन में संबोधित करते हुए सिद्ध बाबा महंत नरसिंह दास जी महाराज ने व्यक्त किया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री राम जन्मभूमि के मुख्य अर्चकआचार्य सत्येंद्र दास जी महाराज ने कहा कि सरकार जहां इतने जटिल मुद्दे धारा 370,तीन तलाक व श्री रामजन्म भूमि जैसी समस्याओं का निदान कर रही है तो उसको हिंदी को भी शीघ्र राष्ट्रभाषा घोषित कर देना चाहिए। विशिष्ट अ तिथि दशरथ गद्दी के यशस्वी महंत बृजमोहन दास जी महाराज ने कहा कि हिंदी को बिना पूर्ण आत्मसात किए देश की संस्कृति और सभ्यता सुरक्षित नहीं रह सकती।विशिष्ट अतिथि वेद भाष्यकार डा0देवी सहाय दीप ने कहा कि हिंदी भारत की आत्मा है उसको उपेक्षित नहीं जा सकता। मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य रघुनाथ शास्त्री जी ने कहा कि हिंदी जनमन की भाषा है जो सबके हृदय में बसी हुई है। उक्त अवसर पर आयोजित काव्योत्सव में आशु कवि अशोक टाटमबरी,रामानंद सागर,ब्रह्मदेव मधुकर,सुनीता पाठक, सुनीलजी,प्रियंका पाण्डेय, संत गोविंद सोनी, डा0दुर्गेश निर्भीक,चंद्रगत भारती,डा0सोनी शर्मा, गीता मिश्रा, अंजू सिंह रघुवंशी,योगेश शास्त्री,मुजम्मिल फिदा हुसैन,बौद्ध राम दुलारे यादव,आचार्य संतोष अवस्थी, डा0केशव प्रसाद पाण्डेय, आदि कवियों ने हिंदी के संवर्धन में शमा बांधा। परिचर्चा में उदबोधन करने वाले प्रमुख साहित्य प्रेमियों में समाजसेवी शरद पाठक बाबा,युवा नेता यश पाठक, प्रेस क्लब अयोध्या अध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी,प्रसिद्ध कथा वाचिका श्यामप्रिया, संस्थान के प्रदेश महामंत्री डॉ0एस पी दिवेदी, जिला अध्यक्ष अजय मौर्य, प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह वत्स, गुडिया त्रिपाठी,वरिष्ठ पत्रकार अंतरिक्ष तिवारी, अजय कुमार माझी, अनिरुद्ध प्रसाद शुक्ला, नीलम सिंह, प्रियंका त्रिपाठी,परमजीत कौर,परमिंदरकौर, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र तिवारी, जेपी गुप्ता, समाज सेवी राजेश चौबे,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विंध्यवासिनी शरण पांडिया,संस्थान की राष्ट्रीय सचिव आचार्य शशि मौर्य,मनीष पाण्डेय,पूजा श्रीवास्तवआदि रहे। उक्त अवसर पर अयोध्या जल पुलिस प्रभारी रुबे प्रताप मौर्य, नित्यानंद यादव, महाकाल सेवा संस्थान के अनिल सिंह चौहान,समाजसेवी कविराज,रितेश दास अधिवक्ता अयोध्या प्रसाद मौर्य, केशव राम मौर्य, दुर्गेश मौर्य,वरिष्ठ पत्रकार आचार्य स्कंद दास, पवन पाण्डेय,अंकुर पाण्डेय,भानुप्रताप सिंह चंद्रवंशी, अजेंद्र पांडे, महेंद्र कुमार उपाध्याय,अखिलेश मौर्य,मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्रा, संजय यादव, ओम प्रकाश सैनी,अखिलेश पाण्डेय, कवलजीत सिंह,चंद्रधर द्विवेदी, सहित सैकड़ो समाज सेवियों,साहित्य प्रेमियों कोअंगवस्त्र ओढ़कर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन करते हुए सभी आए हुए साहित्य प्रेमियों को बधाई व विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ0सम्राट अशोक मौर्य ने आशा व्यक्त की कि मातृभाषा हिंदी शीघ्र ही देश की राष्ट्रभाषा व विश्व की संपर्क भाषा बनेगी।

प्रेमी संग जाना चाहती थी महिला, पति ने रोका तो गले में फंदा लगाकर दे दी जान

संवाददाता–कुशीनगर। विशुनपुरा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत दुदही वार्ड 3 में गुरुवार को सुबह 9 बजे प्रेमी के साथ जाने को लेकर पति और पत्नी में विवाद हो गया। कुछ देर बाद पत्नी ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विशुनपुरा थाना क्षेत्र के दुदही नगर पंचायत वार्ड 3 सरदार बलभ भाई पटेल नगर निवासी तारकेश्वर कुशवाहा ने बताया कि वह बाहर रहता है। घर पर सब्जी की खेती होती है। गौरीश्रीराम निवासी एक युवक सब्जी बेचने का कार्य करता है। उसका मेरा पत्नी नीतू कुशवाहा से प्रेम प्रसंग हो गया।

वह बार–बार मोबाइल और सिम खरीद कर देता था, जिसको लेकर कई बार पंचायत हुई थी। बताया कि गुरुवार को पत्नी छोटे बच्चे को लेकर प्रेमी के पास जाने की जिद पर अड़ गई। विरोध किया तो वह नाराज हो गई। इसके बाद घर में मोफलर में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर एसओ रामसहाय चौहान पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिए। थानाध्यक्ष रामसहाय चौहान का कहना है कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सीडीआर निकाल कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नव मतदाता सम्मेलन को लेकर पदाधिकारियों को सौंपें दायित्व

संवाददाता–बहराइच। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा की गतिविधियों मे काफी तेजी आई है। युवा मोर्चा नव मतदाता सम्मेलन के जरिए चुनावी शंखनाद करेगा। इसको लेकर शहर के चंद्रिकापुरी स्थित भाजपा के जिला कार्यालय पर 24 जनवरी को होने वाले नव मतदाता सम्मेलन को लेकर रणनीतिक बैठक गुरुवार को आयोजित हुई। युवा मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नितिन मित्तल मुख्य अतिथि रहे।

मुख्य अतिथि नितिन मित्तल ने बताया कि एक जनवरी से 24 जनवरी तक लगातार कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। जिसके क्रम में डोर टू डोर संपर्क, एनसीसी व शैक्षिक संस्थानों में युवाओं से संपर्क एवं नव मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन आदि कार्यक्रम किए जा रहे हैं। साथ ही नमो ऐप डाउनलोड करने का भी कार्य किया जा रहा है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने बैठक में वृत्त लेने के साथ ही सभी पदाधिकारी व मंडल अध्यक्षों से संवाद स्थापित किया। आने वाले नव मतदाता सम्मेलन को सफल बनाने का आवाहन किया। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय ने आश्वासन दिया कि आने वाले नव मतदाता सम्मेलन व अन्य कार्यक्रमों को भारतीय जनता युवा मोर्चा बहराइच सफल बनाते हुए हमेशा की तरह इस बार भी प्रथम पायदान पर होगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को नमो एवं नव मतदाता सम्मेलन कार्यक्रम को सफल बनाने को सक्रिय भूमिका में आने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर भाजयुमो क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विशाल सिंह, पूर्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष मन्दीप सिंह वालिया, क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य एकता जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा परमार्थ सेन चौधरी, कोषाध्यक्ष नितिन रुपानी, जिला मंत्री प्रमित शुक्ला, आकर्ष जायसवाल, मीडिया प्रभारी सतीश सिंह, मंडल अध्यक्ष अर्पित श्रीवास्तव, शिवांकर शुक्ला, अखिलेश सिंह, प्रभात गुप्ता, सतीश वर्मा, अतुल चौधरी, आनंद जायसवाल, दुर्गेश सिंह रैकवार, राजन पांडे, पप्पू तिवारी, हिमांशु शिवम, अरविंद गुप्ता, सुधांसु सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

दस माह से मानदेय न मिलने पर भड़के रोजगार सेवक

संवाददाता–गोण्डा। गुरुवार को ग्राम रोजगार सेवक संघ के ब्लाक अध्यक्ष फूल चंद्र चौहान के नेतृत्व में बीडीओ प्रदीप कुमार सिंह को कार्य बहिष्कार को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष ने कहा कि डिजिटल क्राप सर्वे कार्य का बहिष्कार सभी रोजगार सेवक करेंगे। रोजगार सेवकों द्वारा पूर्व में भी ईओएल सर्वे, मिशन अंत्योदय सर्वे लोकसभा, विधानसभा चुनाव में कैमरामैन की ड्यूटी, पंचायत चुनाव में बीएलओ की ड्यूटी व अन्य सरकारी सर्वे का कार्य कराया गया लेकिन आज तक किसी भी सर्वे कार्य का कोई पारिश्रमिक नही दिया गया है। कहा कि पिछले दस माह से मानदेय का भुगतान भी नही किया गया जिससे रोजगार सेवकों की आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय हो चुकी है। उन्होंने उच्चाधिकारियों पर शोषण करने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा में दिन भर में दो बार श्रमिकों की आनलाइन उपस्थिति भी कार्यस्थल पर रहकर लगानी पड़ती है व श्रमिकों के जावकार्ड वेरीफिकेशन, श्रमिकों के खाते का एनपीसीआई आदि कार्य भी करने पड़ते है। ऐसी स्थिति में रोजगार सेवक मनरेगा कार्य के अतिरिक्त कोई भी कार्य करने का बहिष्कार किया है। इस दौरान पवन कुमार, जिवबहाल, विष्णु यादव, नरेन्द्रनाथ पाण्डेय व श्रीराम समेत दर्जनों रोजगार सेवक मौजूद रहे।

संतों महंतों ने सतगुरु निवास के पूर्वाचार्य महंत को अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।आचार्य पीठ श्रीलक्ष्मणकिला की शाखा श्री सतगुरु निवास के पूर्वाचार्य महंत आचार्य रामप्रिया शरण महाराज की दसवीं पुण्यतिथि सतगुरु निवास के महंत सियावर शरण महाराज के संयोजन में मनाई गई जिसमें अयोध्या के सभी संतों महंतों भावपूर्ण श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि श्री महाराज जी लक्ष्मण किला के स्वामी श्री सीतारामशरण महाराज के शिष्य थे और भजन के साथ हमेशा सेवा में लगे रहते थे। श्री महाराज जी के शिष्य महंत सियावर शरण महाराज ने बताया कि गुरुदेव भगवान सेवा को ही धर्म मानते थे निरंतर सेवा करते थे संत सेवा गौ सेवा आश्रम में हमेशा चलता रहता था।

उन्होंने बताया कि महाराज जी की पुण्यतिथि प्रत्येक वर्ष मनाई जाती है जिसमें मंदिर परिसर में सुबह श्री सीतारामनाम संकीर्तन के साथ संतो महत्व को आमंत्रित किया जाता है और उनका स्वागत सत्कार किया जाता है। महाराज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्री लक्ष्मण किला महंत मैथिली रमन शरण मणिराम दास, छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास , श्री राम आश्रम के महंत जय रामदास, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, महंत अवध किशोर शरण, महंत अंजनी शरण, महंत रामभद्र शरण सहित सैकड़ो संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की आए हुए अतिथियों का स्वागत सतगुरु निवास के महंत सियावर शरण और लक्ष्मण किला के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण ने किया।

समिति का गठन कर पद के सापेक्ष हो एएनएम की तैनाती–डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही एएनएम और आशावार किए गये कार्यों की समय समय पर समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने कहा कि जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर अन्य जनपदों की तुलना में अधिक है, जो चिंता का विषय है। इसलिए मातृ एवं शिशु मृत्यु दर की रोकथाम के लिए कारगर कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि एएनएम व आशा गांव में स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन की मुख्य धुरी हैं। इसलिए सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी समय समय पर एएनएम और आशा वार किए गये कार्यों की समीक्षा जरूर करें। उन्होंने निर्देश दिया कि आरसीएच पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं का पंजीकरण शत–प्रतिशत किया जाए। डीएम ने निर्देशित किया कि संस्थागत प्रसव में महिलाओं को शत–प्रतिशत पीपीआईयूसीडी लगाया जाय। समस्त गर्भवती महिलाओं की सत्र पर जांच अवश्य की जाए। डीएमने कहा कि हाई रिस्क वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर फालोअप करें और जरूरत अनुसार जांच व दवा उपलब्ध कराएं। उन्होंने सभी अधीक्षकों को निर्देशित किया कि आवंटित बजट के सापेक्ष व्यय के उपरान्त अवशेष धनराशि व्यय की कार्ययोजना बनाकर अगली बैठक में प्रस्तुत करें। हेल्थ एण्ड वेलनस सेंटर निर्माण की प्रगति के लिए नामित अधिकारी निरीक्षण कर अग्रिम डीएचएस बैठक में अवगत कराएं। उन्होंने निर्देश दिया कि अस्पताल में तैनात चिकित्सक से लेकर पैरामेडिकल कर्मियों की सुबह ड्यूटी आने पर व ड्यूटी समाप्ति के बाद बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराएं। बैठक का संचालन डीसीपीएम राकेश गुप्ता ने किया। बैठक में सीडीओ अनुभव सिंह, सीएमओ डा. एपी सिंह, सीएमएस डा. राम गोपाल, डा. वीके श्रीवास्तव, डा. उदयनाथ, डा. बीके वैद्य, डा. केके वर्मा आदि मौजूद रहे।

सरकार जनता के इरादों को साकार कर रही है विकसित भारत संकल्प यात्रा– उदय

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से विकसित भारत संकल्प अभियान अंतिम दौर में चल रही है। मोदी गारन्टी के रथ के साथ जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी की ओर से विभिन्न ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम किया गया। भाजपा की ओर से चलाये जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा की मोदी गारन्टी गाड़ी गुरुवार को गिलौला क्षेत्र के ग्राम पंचायत भौसांवा और कुरवैनी में पहुंची। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी शामिल हुए। इस दौरान आम जन मानस ने कैम्प में अपने स्वास्थ्य की जांच की। पात्रों को विभिन्न योजनाओं में पंजीयन कराया गया तथा मोदी गारन्टी कैलेंडर व पॉकेट डायरी भी वितरित की गयी। इस दौरान जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी की ओर से जनता को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार जनता के द्वार के आधार वाक्य को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धरातल पर सच करके दिखाया है। मोदी गारन्टी रथ का एकमात्र यह उद्देश्य है कि आम जनमानस का निशुल्क परीक्षण हो और साथ ही जो जानकारी के अभाव से सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नही ले सके हैं उन पात्रों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। इस दौरान जिला मंत्री प्रहलाद शुक्ला, जिला मंत्री अरुण पाण्डेय, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा हरिओम तिवारी, जिला महामंत्री युवा मोर्चा राणा प्रताप सिंह, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा वासुकीनाथ मिश्रा सहित विभागों के अधिकारी व भारी संख्या में आम जनमानस मौजूद रहे।

सीमा सुरक्षा को लेकर भारत-नेपाल के अफसरों ने की बैठक

संवाददाता–महराजगंज। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा व लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बृहस्पतिवार को भारत–नेपाल के उच्चाधिकारियों की कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक भैरहवा में हुई। इस दौरान सीमा की सुरक्षा, अपराधियों पर रोकथाम सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर मंथन किया गया। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि सुरक्षा को लेकर नेपाल के अधिकारियों ने पूरा सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई है। बॉर्डर पर संदिग्धों की जांच पड़ताल की जा रही है। दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां मिलकर बॉर्डर क्षेत्र में बेहतर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी। वहीं नेपाल के रूपनदेही जिले के जिलाधिकारी गणेश अर्याल ने कहा कि बॉर्डर पर सख्ती बरती जा रही है। बैठक में एसपी सोमेंद्र मीना, सिद्धार्थनगर जिलाधिकारी पवन अग्रवाल, एसपी प्राची सिंह, नौतनवा एसडीएम मुकेश सिंह, निचलौल एसडीएम सत्यप्रकाश मिश्रा, कस्टम डीसी वैभव सिंह, सुप्रिटेंड एसके पटेल सहित 22वीं, 66वीं और 43वीं एसएसबी के कमांडेंट मौजूद रहे। वहीं नेपाल के रूपनदेही सीडीओ गणेश आर्यल, कपिलवस्तु सीडीओ विश्व प्रकाश आर्यल, नवल पराशी के सीडीओ प्रकाश देवकोटा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

ठंड से बचाव के लिए दिव्यांगजनों को कम्बल वितरित किया

संवाददाता–श्रावस्ती। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी श्रावस्ती के तत्वाधान में गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित तथागत सभागार में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जरूरतमंद, निराश्रित व दिव्यांगजनों को कंबल वितरित किया गया। कम्बल पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे।कंबल वितरण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कृतिका शर्मा व विशिष्ट अतिथि कार्यवाहक कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल संदीप कुमार जेटली रहे। अतिथियों ने गरीब, असहायों व दिव्यांगजनों को कम्बल दिया। यह कम्बल इंडियन रेडक्रास सोसायटी की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराया गया था। जिससे जरूरतमंदों को ठंड से बचाया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे में कोई गरीब, बेसहारा व निशक्त व्यक्ति ठंड से प्रभावित न हो। इसके लिए जिला प्रशासन व इंडियन रेडक्रास सोसाइटी की ओर से लगातार कम्बल वितरण किया जा रहा है। एसएसबी कार्यवाहक कमांडेन्ट ने बताया कि रेडक्रॉस शाखा की ओर से लगातार हर आपदा में जनमानस की मदद की जाती है। एसएसबी भी रेडक्रॉस के साथ स्वास्थ्य कैंप, राहत सामग्री वितरण, रक्तदान शिविर आदि में सहयोग करती रही है और आगे भी पूरा सहयोग किया जाता रहेगा। कार्यक्रम संयोजक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि शीतलहर के दृष्टिगत आपदा विभाग की ओर से 20 हजार कंबल वितरित किए गए हैं। जबकि रेडक्रॉस की ओर से 2500 कंबल वितरित किए गए हैं। आगे भी कंबल वितरण कार्यक्रम किये जाएंगे। इस मौके पर एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, एडीएम न्यायिक रामदत राम, डिप्टी कमांडेंट एसएसबी सोनू कुमार आदि मौजूद रहे।

बंगाल से चली श्री राम पादुका यात्रा 15 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगी –प्रियनाथ चट्टोपाध्याय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।सनातन धर्म की अन्यतम स्तंभ अनंतश्री सीतारामदास ओंकारनाथ जी ने भारत के विभिन्न भागों में स्थित अपने 125 से अधिक आश्रमों में असंख्य राम मंदिरों की स्थापना की है। दीक्षा के समय उन्होंने शिष्यों से गुरुदक्षिणा के रूप में किसी से धन की मांग नहीं की। उक्त बातें सीतारामदास ओंकारनाथ मिशन जयगुरु सम्प्रदाय के महासचिव प्रियनाथ चट्टोपाध्याय ने बताया। श्री चट्टोपाध्याय ने कहा कि गुरुदेव के प्रत्येक शिष्य को एक बही–खाते में चार लाख राम नाम लिखने और उन्हें सौंपने का निर्देश दिया। उनके आश्रमों में से 12 मंदिर इसी प्रकार लिखे गए एक सौ पच्चीस करोड़ रामनामों के आधार पर बनाया गया है।

श्री श्री ओंकारनाथ देव ने रामनाम भजन के माध्यम से भारत के लोगों को मुक्ति का मार्ग दिखाया। भगवान श्री श्री ओंकारनाथ देव को संत ने श्री राम अवतार रूप में अर्चन करते थे। श्री राम जन्मभूमि उद्धार के लिए श्री श्री ठाकुर ने अपनी प्रार्थना पर लिखित रूप से करोड़ो भक्त को आदेश दिया था रोज तीन बार श्री राम जी का पाश श्री राम जन्म भूमि उद्धार के लिए प्रार्थना करने के लिए। आपका जन्मभूमि उद्धार के लिए, आपके भक्तगण प्रार्थना कर रहा है। प्रभु आप इनका प्रार्थना सुन के इनका अभीष्ट पुरण करो।

प्रियनाथ चट्टोपाध्याय ने बताया कि श्री गुरुदेव के समय से लेकर सौ वर्षों से भी अधिक समय तक उनके शिष्यों और भक्तों ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर को बचाने का जो सपना देखा था, वह आज सफल होने जा रहा है। उस आनंद में, उस भाव में, ये नम्रता बहुत आगे बढ़ रही है अयोध्या की ओर। यह भावना कोई राजनीतिक भावना नहीं है,यह भाव भक्ति का भाव है। यह भाव सुन्दर रामनाम जप से मुक्ति का भाव है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचन्द्र की श्री पादुका लेकर चल रहे हैं। ये यात्रा 15 जनवरी तक अयोध्या पहुचेगा।

जिस क्षेत्र से यह नम्रभ गुजर रहा है, उस क्षेत्र के श्रद्धालुओं को इस श्रीपादुका के दर्शन–पूजन का सौभाग्य मिल रहा है। आज इस क्षेत्र के नम्रभ का आगमन हुआ है और इस नम्रता को मनाने के लिए श्री गुरुदेव के शिष्य और सभी राम भक्त एकत्रित हुए हैं। इसलिए आज का दिन भावनात्मक आनंद का दिन है।

दीवानी कचहरी चौराहे के कई दुकानें व मकान जमींदोज

संवाददाता–गोण्डा। लखनऊ रोड के दीवानी कचहरी चौराहे पर गुरुवार को कई दुकानों व मकानों को जमींदोज कर दिया गया। एक मकान के दो–तीन फीट अवैध कब्जे के दायरे में आने पर उसके मालिक को खुद से हटाने की मोहलत दी गई है। डीएम के निर्देश पर लगातार दूसरे दिन भी यहां प्रशासन का बुलडोजर पूरे दिन गरजा। बताया जा रहा है कि इस चौराहे के निकट नजूल की भूमि पर दशकों से लोगों ने अवैध कब्जा करके पक्के मकान व दुकानें आदि बनवा ली थी। जिसको सुबह तहसील प्रशासन के के अलावा पालिका व पीडब्ल्यूडी के साथ भारी संख्या में कोतवाली पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी लगाकर धराशायी कर दिया गया।

पालिका की ओर से दीवानी कचहरी चौराहे पर अवैध कब्जे को हटाने के लिए कब्जेदारों को नोटिस तो बीते जुलाई माह से पहले से दी जाती रही। कई बार एनाउन्समेंट भी कराया। लेकिन अवैध कब्जे को हटाने को यहां जैसे किसी ने सुना नहीं। सामने से थोड़ा बहुत सामानों को हटाकर खानापूर्ति करते रहे। पालिका अधिकारियों का दावा है कि नोटिस में अवैध कब्जे के हिस्सों का जिक्र भी किया गया है। बताते हैं कि गुरुवार सुबह प्रशासन की टीम दल बल समेत पहुंची तो वहां दुकानें आदि खुली मिली, जिस पर सिर्फ मार्किंग टीन शेड व दुकान हिस्से को छोड़कर अवैध कब्जे के मकान समेत पूरे हिस्से को धराशायी कर दिया गया।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर क्रमिक अनशन पर बैठे रेल कर्मी

संवाददाता–बहराइच। पुरानी पेंशन बहाली व नई पेंशन हटाने को लेकर रेलवे विभाग के कर्मी भी मुखर हो गए हैं। गुरुवार को रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर क्रमिक अनशन शुरू कर दिया। सभी ने नई पेंशन योजना को हटाने और पुरानी पेंशन योजना को मंजूरी देने की मांग कर रहे हैं। एनईआर रेलवे यूनियन की ओर से मंडल के बाद जिले स्तर पर क्रमिक अनशन शुरू किया गया है।

बहराइच रेलवे स्टेशन के सामने परिसर में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर क्रमिक अनशन शुरू कर दिया। यूनियन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा और सूरज प्रसाद चौहान के निर्देशन में जिला मुख्यालय पर आयोजित धरने की अध्यक्षता संगठन के रमेश कुमार यादव ने की। अनशन पर बैठे कर्मियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। एनपीएस गो बैक के नारे लगाए। शाखा मंत्री सूरज कुमार ने कहा कि सरकार हमारी मांगें माने, नहीं तो क्रमिक अनशन अनवरत चलता रहेगा। सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना से कर्मचारियों को लाभ मिलता था। कर्मचारी अपने काम के बदले हक की मांग कर रहे हैं। रेलवे कर्मियों के समर्थन में अन्य संगठन भी उतर आए हैं। संजय मिश्र ने कहा कि नई पेंशन योजना किसी भी सूरत में कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित नहीं कर रही है। राम औतार, सौरभ, जगत राम, राकेश कुमार, अभिषेक कुमार, नत्थूलाल, विनोद कुमार मौजूद रहे।

अयोध्या-अहमदाबाद के बीच इंडिगो की हवाई सेवा शुरू, सीएम ने दिखाई हरी झंडी

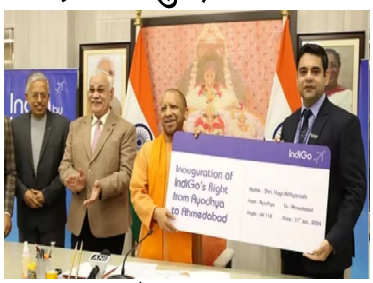

संवाददाता-अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या में प्रभु श्री राम के दर्शन-पूजन की चाह रखने वाले रामभक्तों को अहमदाबाद-अयोध्या के बीच सीधी हवाई सेवा का विकल्प मिल गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में अहमदाबाद - अयोध्या के लिए इंडिगो एयरलाइंस की सीधी हवाई सेवा का शुभारंभ किया। अयोध्या-अहमदाबाद के बीच नई हवाई सेवा के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस उड़ान सेवा से भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या, हवाई सेवा द्वारा, सीधे अहमदाबाद से जुड़ गयी है। अयोध्या से दिल्ली के बाद अहमदाबाद दूसरा कनेक्टेड स्थल है। आगामी 15 जनवरी से मुम्बई के लिए उड़ान सेवा आरम्भ हो जाने के पश्चात मुम्बई तीसरा कनेक्टेड स्थल हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, दिनांक 16 जनवरी, 2024 से दिल्ली के लिए एक और उड़ान आरम्भ हो रही है।

मुख्यमंत्री ने बेहतर हवाई सेवाओं को पर्यटन और व्यापार की गतिविधियों को इससे बड़ा प्रोत्साहित करने वाला बताया। प्रदेश में बेहतर होती हवाई सेवाओं की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2016-17 में प्रदेश में हवाई यात्रियों की संख्या 59.97 लाख थी, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में बढ़कर 96.02 लाख हो गयी। विगत 03 वर्षों में प्रदेश में हवाई यात्रियों की संख्या में 29.46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016-17 में लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या 39. 68 लाख, वाराणसी में 19.16 लाख, गोरखपुर में 54 हजार तथा प्रयागराज में 45 हजार थी। जबकि वर्ष 2022-23 में लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या बढ़कर 52.20 लाख, वाराणसी में 25.21 लाख, गोरखपुर में 7.18 लाख तथा प्रयागराज में 5.71 लाख हो गयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की परिकल्पना है कि एक सामान्य नागरिक भी हवाई जहाज में यात्रा करें, हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई सेवा का लाभ उठाये। राज्य सरकार इस परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में पांच वर्ष पहले तक एक छोटी सी एयरस्ट्रिप थी। लेकिन आज वहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित हो रहा है। आज हर व्यक्ति अयोध्या आने का इच्छुक है। इसलिए प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप सरकार ने सड़क, रेल और वायु मार्ग की बेहतर कनेक्टिविटी दी है।

कहा कि अयोध्या अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए 821 एकड़ की भूमि राज्य सरकार ने उपलब्ध कराई और केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने समयबद्धता के साथ विश्वस्तरीय एयरपोर्ट तैयार कराया। उत्तर प्रदेश में इंडियो एयरलाइन्स की उपस्थिति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिगो द्वारा उत्तर प्रदेश के 08 नगरों लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर, आगरा, प्रयागराज, बरेली तथा अयोध्या से उड़ान सुविधा दी जा रही है। इसमें लगातार बढोतरी भी हो रही है।

जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का विधायक ने किया उद्घाटन

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती। युवा कल्याण विभाग के संयोजन में दो दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल लीग प्रतियोगिता का उद्घाटन हरैया विधानसभा के ग्रामीण स्टेडियम सूदीपुर में हरैया विधायक अजय सिंह ने गुरुवार को किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अजय सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए खेल भावना के साथ प्रतिभाग करने तथा हमेशा अच्छे सपने देखना एवं उसे पूरा करने के लिए कठिन परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प हेतु प्रेरित किया। खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि खेल और नियमों का सीधा जुड़ाव है। बिना नियमों के खेल संभव ही नहीं है। नियमों का अनुपालन ही अनुशासन है। खेल एक टीम वर्क से ही संपन्न किए जाते हैं। इस प्रकार के आयोजनों से जीवन में आगे बढ़ने की दिशा प्राप्त होती है। खेल के प्रथम दिन गोला

-कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ सपने पूरा करें -अजय सिंह

क्षेपण में कप्तानगंज की प्रीती प्रथम तथा रामनगर की प्रतिभा द्वितीय, 100 मी. जूनियर बालिका वर्ग में पंजिका प्रथम सजनी गुप्ता द्वितीय तथा लक्ष्मी तृतीय स्थान, 800 मी. सीनियर बालक वर्ग में कपिल प्रथम धीरज द्वितीय तथा सूरज तृतीय स्थान पर रहे।

इस अवसर पर पूर्व जिला युवा कल्याण अधिकारी बस्ती इंद्रजीत मौर्य, जिला युवा कल्याण अधिकारी संत कबीर नगर अरुण कुमार पाण्डेय, नवनीत तिवारी, अभिषेक चौबे, उद्धव मौर्य, मनीराम मौर्या, राम सिंह, रामविलास, विनोद तिवारी, राम उजागर पाण्डेय, विनोद कुमार, परवेज आलम, प्रेम प्रकाश यादव, रणजीत, रमेश चौरसिया सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

संवाददाता-संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती को भगा ले जाने के मामले में आरोपित को बेलहर पुलिस ने तीन माह बाद पकड़ने में सफल हुई है। गुरुवार को आरोपित को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया। 19 नवंबर को हेमराज उर्फ कल्लू पुत्र श्याम राज निवासी परसोहिया थाना बांसी ने बेलहर थाना क्षेत्र के एक गांव के एक युवती को बहला फुसलाकर भगा ले गया था। इसमें परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अपहरण के बाद दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज किया था। लेकिन लंबे समय से आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस लगी थी। गुरुवार को सूचना पर पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के लिए रवाना कर दिया।

पहले कागजों में चलती थी योजनाएं, अब गरीबों को मिल रहा है लाभ

संवाददाता-गोरखपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत तरकुलही में गुरुवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पहले की सरकारों में योजनाएं कागज की फाइलों में चलती थी। मगर जब से भाजपा की सरकार बनी है, योजनाओं का लाभ गांव के गरीबों तक बिना किसी भेदभाव के पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो लोगों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिला, लोगों के घरों में शौंचालय बने, किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में वर्ष में छह हजार रुपये मिले। गरीबों को आवास मिला। पांच लाख रुपये तक मुफ्त दवाई के लिए आयुषमान कार्ड की सुविधा मिलने से गरीबों को इलाज कराना काफी आसान हुआ है। सदर सांसद संजय सिंह ने कहा कि पहले अधिकारी गांव में नहीं जाते थे मगर अब अधिकारी गांव में जाकर वंचित लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही लाभ भी दिलाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में गर्भवती महिला को गोदभराई एवं साथ माह की अनुष्का का अन्नप्राशन कराया गया। इसी प्रकार क्षेत्र के ग्राम घोड़ादेउर में विकसित संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल एडीओ आईएसबी जितेंद्र प्रताप मौर्य, ग्राम प्रधान सुधीर शर्मा, सचिव सर्मित कुमार, सुभाष चंद, पन्नेलाल यादव, रमेश सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

कार्यभार ग्रहण से पहले ही एक्टिव मोड में डीआईजी, खिचड़ी मेले की किया समीक्षा

संवाददाता-गोरखपुर। नवागत डीआईजी 2008 बैच के आईपीएस आनंद सुरेश राव कुलकर्णी ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा की गोरखपुर रेंज को अपराध मुक्त बनाना पहली प्राथमिकता रहेगी। जमीनी विवाद के मामले में उन्होंने कहा की राजस्व और पुलिस के सहयोग से इन विवादों का निस्तारण किया जाएगा। हर छोटी से छोटी घटनाओं पर थानेदार व बड़ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले को निपटाने की कोशिश करेंगे, जिससे बड़ी घटना होने से रोका जा सके।

हर मामले का निस्तारण थाने स्तर पर ही किया जाए तथा थाने पर आने वाले हर पीड़ित का ध्ध्द दर्ज किया जाए। पद भार ग्रहण करने से पहले डीआईजी गोरखनाथ मंदिर पहुंच कर बाबा गोरखनाथ का आशीर्वाद लिए। इसके बाद गोरखनाथ थाने पर बैठक कर खिचड़ी मेले का समीक्षा किए । क्ष्ळ कार्यालय पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। आनंद सुरेश राव कुलकर्णी महाराष्ट्र विंड के रहने वाले हैं। वह 2008 बैच के आईपीएस की पहली पोस्टिंग गोरखपुर जनपद में सहायक पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज में रही है वह कानपुर कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त मेरठ, लखनऊ में एएसपी रहे। वह वाराणसी, प्रयागराज में एसएसपी और आजमगढ़, बस्ती, बाराबंकी, उन्नाव, महोबा सीतापुर में एसपी रहे। वह लखनऊ और मुरादाबाद में एसपी जीआरपी भी रहे। आनंद सुरेश राव कुलकर्णी आर्थिक अपराध शाखा में एसपी रह चुके हैं अपर पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट गौतम बुद्ध नगर से गोरखपुर रेंज के डीआईजी बनाए गए है।

जमानत के बाद भी रिहा न होने वाले कैदियों से मांगा प्रार्थना पत्र

संवाददाता-अयोध्या। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला जज शैलेन्द्र सिंह यादव ने गुरुवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। उन्होंने जमानत के बाद भी जिला कारागार से रिहा नहीं हो पाने वाले कैदियों से प्रार्थना पत्र प्रेषित कराने के लिए वरिष्ठ जेल अधीक्षक उदय प्रताप मिश्र को निर्देशित किया। जिससे लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के माध्यम से थाने से आर्थिक सामाजिक एवं सम्पत्तियों की जांच कर कैदियों को जेल से रिहाई के लिए आवश्यक कार्यवाही किया जा सके। वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि 1083 बन्दी एवं 51 महिला बन्दी एवं आठ बच्चे भी महिला बन्दियों के साथ संवासित है। निरीक्षण के समय बंदियों ने बताया कि प्रातः कालीन नाश्ते में ब्रेड, चाय, गुड एवं भोजन में रोटी, मिश्रित दाल, आलू पालक साग दिया गया। जेल में जेल में लीगल एड क्लीनिक की स्थापना की गयी है। किसी बन्दी को कोई समस्या हो तो वह जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है। निरीक्षण के दौरान कारापाल जितेन्द्र कुमार यादव व गिरीश कुमार, उपकारापाल शुभरा अंसारी, माया सिंह, कलीमुद्दीन, चिकित्साधिकारी पुलकित राजा, फार्मासिस्ट अनुराग मिश्रा व विष्णुपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

किशोरी को अगवा कर किया दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता-अयोध्या। बीकापुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को आधी रात 15 वर्षीय किशोरी को उसके घर से अगवा करके गांव के ही युवक ने दुष्कर्म किया। किशोरी के मामा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजवाया है। कोतवाली क्षेत्र के ही दूसरे गांव के रहने वाले किशोरी के मामा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 15 वर्षीय भांजी घर में अपनी छोटी बहन के साथ रहती है। किशोरी के पिता रोजी-रोटी के सिलसिले में सूरत में रहते हैं और मां की मौत हो चुकी है। बुधवार की रात करीब 12रू30 बजे गांव का ही युवक विष्णु प्रताप सिंह घर में घुस आया और उनकी भांजी को धमकी देकर मुंह दबाकर घर से बाहर ले गया। उसके साथ दुष्कर्म किया। रात में ही घटना की सूचना मिलने पर हरकत में आई कोतवाली पुलिस किशोरी के गांव पहुंची। प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोपी युवक घर से फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। मामले की जांच की जा रही है।

शहरी क्षेत्र के सभी अंडरपास नजर आएंगे गुलजार

संवाददाता-अयोध्या। रामनगरी में भगवान श्रीराम जन्मभूमि में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले मेहमानों को फूलों की खुशबू का एहसास होगा। इसके लिए शहर के सभी आधा दर्जन अण्डरपास को गुलशन बनाया जाएगा। ओवरब्रिज के नीचे पड़ने वाले अण्डरपास को रंग बिरंगी फूल-पत्तियों से सजाया जा रहा है। इसके लिए बैंकों की अहम भूमिका है। नगर निगम अयोध्या क्षेत्र के अंतर्गत छह जगहों पर बने ओवरब्रिज के नीचे के स्थानों अण्डरपास को रंग-बिरंगे फूलों और पौधों से सजाया जाएगा। यह कार्य सआदतगंज रायबरेली, सुलतानपुर, मोहबरा, बूथ नंबर चार अयोध्या बाईपास हैं। यहां की दीवारों को डेंट पेंट कराया जा रहा है। यहां जमीन के कुछ हिस्से पर फूल लगाए जा रहे हैं। फूलों और पौधों को किसी जानवरों से कोई क्षति न पहुंचे, इसके लिए चारों ओर से बैरीकेटिंग की जाएगी। साथ ही पौधों को एलुमिनियम के ट्री गार्ड से सुरक्षित और संरक्षित किया जाएगा।

गुमशुदगी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के पिता राजाराम पुत्र लछिमन वर्ष 1997 से लापता हैं। उनके सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई जानकारी हो तो मेरे मोबाइल नम्बर 7572026980 पर सूचित कर सहयोग करें।

(विनय कुमार)
पुत्र राजाराम
ग्राम- जखिनी
पोस्ट- लवनापार
जिला- बस्ती।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद (उ.प्र.) इण्टर मीडिएट वर्ष 2020 अनुक्रमांक 2290224 का अंक पत्र एवं सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(दिनेश यादव)
पुत्र श्री रामनयन यादव
ग्राम- बघौड़ा
पोस्ट- बरहपुर
जनपद- बस्ती (उ.प्र.)

चोरों ने शटर का ताला तोड़कर दुकान से उड़ाए लाखों का आभूषण, सुबह हुई जानकारी

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के महला चौराहे पर बुधवार रात चोरों ने एक आभूषण की दुकान को निशाना बनाया। दुकान में लगे चौनल व शटर के लॉक को तोड़कर दुकान के अंदर घुसे और लाखों के चांदी व सोने के आभूषण उठा ले गए। बृहस्पतिवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुकानदार को जानकारी हुई तो उसने पुलिस को सूचना दिया। मौके पर एसओ और खुनुवा चौकी प्रभारी पहुंचे और मामले की छानबीन की। दुकान में हुई चोरी से लोगों में दहशत है और वह पुलिस की गश्त को सुस्त बताते हुए सवाल उठा रहे हैं। क्षेत्र के महला गांव निवासी संजय वर्मा के मुताबिक महला चौराहे पर उनकी ज्वैलर्स की दुकान है। सोने व चांदी के आभूषण का व्यापार करते है। रोज की तरह बृहस्पतिवार को शाम तक दुकान बंद कर घर चला गया था। सुबह लगभग साढ़े नौ बजे दुकान खोलने लिए दुकान पर पहुंचे तो देखा कि दुकान का चौनल का ताला टूटा हुआ है। चौनल के बाद लगे शटर का लॉक भी टूटा हुआ है। दुकान के अंदर घुसा तो देखा अंदर रखे 15 क्विंटल का लॉकर तिजोरी गायब है। उसी में नौ किलो के चांदी व चार सोने के आभूषण रखे हुए थे। सीसीटीवी के कैमरे टूटे हुए हैं और सारा सामान बिखरा पड़ा है। पीड़ित ने घटना की सूचना देने के साथ ही लिखित तहरीर देकर सोने और चांदी का आभूषण चोरी होने की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। इस संबंध थानाध्यक्ष राजकुमार पांडेय ने बताया कि चोरी की घटना में पीड़िता ने तहरीर दी है। इस वारदात का खुलासा करने के लिए टीम जांच में जुट गई है। जल्द ही इसका खुलासा किया जाएगा।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

vlyla

C 202217000000424
C 202217000000425

अदालत-श्रीमान अपर आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला-बस्ती

श्रीमती आरती देवी आदि
बनाम
श्रीमती फूलमती आदि

1. श्रीमती फूलमती पत्नी राममिलन 2. रामजीत पुत्र हुबलाल 3. मोलू यादव पुत्र हुबलाल साकिन चिट्ठापार तप्पा बकुची परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 07-02-2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिया महीना सन् 19 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी राम बहोर ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 08 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अपील सं0 964

अदालत-श्रीमान बन्दोवस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला-बस्ती

राम बहोर आदि
बनाम
शेषराम आदि

1. शेषराम 2. मंशाराम पुत्रगण हरेरे 3. नन्दलाल पुत्र राम सरन निवासी मौजा लक्ष्छीपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 24-01-2024

अपील बनराजी आदेश अदालत स0च0अ0 मुकाम बस्ती मयरिया 03 महीना 07 सन् 1981 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी राम बहोर ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 24 महीना 01 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 05 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत-श्रीमान दशम अति0 सिविल जज (जू.डि0) महोदय बस्ती जिला-बस्ती कोर्ट सं0-23

प्रकीर्णवाद सं0 43/2023

बुझावन आदि
बनाम
केशवराम

केशवराम उम्र करीब 56 वर्ष पुत्र शिवशंकर ग्राम इब्राहिमपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला-बस्ती

तारीख पेशी 15-02-2024

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 15 माह 02 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

अनुसूचित मोर्चा की बैठक में जनसंपर्क की बनी रणनीति

संवाददाता-गोरखपुर। भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय (रानीडीहा) में गुरुवार को अनुसूचित जाति मोर्चा की हुई बैठक में लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत बस्ती जनसंपर्क अभियान के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। इस बैठक में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मुंशीलाल गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक बेचन राम, प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग मझवार की उपस्थिति में आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत बस्ती जनसंपर्क अभियान तथा नमो एप की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं को लेकर किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न हो रही हो तो कार्यकर्ता सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों से मिलकर इस समस्या का समाधान कराएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय महामंत्री इंद्रदेव ने की। क्षेत्रीय महामंत्री दीपक कुमार, अमृतलाल भारती, जीत बहादुर पासवान, मीडिया प्रभारी अमरनाथ पासवान, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संतोष गौतम, गोरखपुर महानगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार, संजय गौतम, बृजमोहन सहित गोरखपुर क्षेत्र एवं जिले के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत-श्रीमान अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सप्तम बस्ती जिला-बस्ती

सिविल रिवीजन सं0 11/2023

श्रीमती मिथिलेश मिश्र आदि
बनाम
प्रबन्धक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल वालिका लघु मा0वि0

1. प्रबन्धक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल वालिका लघु मा0वि0 अगौना कलवारी तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला-बस्ती 2. प्रधानाध्यापिका आचार्य रामचन्द्र शुक्ल वालिका लघु मा0वि0 अगौना कलवारी तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला-बस्ती 3. प्रबन्धक समिति आचार्य रामचन्द्र शुक्ल वालिका लघु मा0वि0 अगौना कलवारी तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला-बस्ती 4. बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती 5. उ0प्र0 राज्य द्वारा कलेक्टर बस्ती 6. श्रीमती प्रतिमा सिंह पत्नी संतोष कुमार सिंह निवासी ग्राम रानीपुर बेलाड़ी तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला-बस्ती

तारीख पेशी 02-02-2024

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 02 माह 02 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय-श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला-बस्ती

मूलवाद सं0 439/1999

सीताराम
बनाम
रामचरित्र आदि

2/1 श्रीमती लाली उम्र लगभग 75 साल पत्नी स्व0 भगौती प्रसाद निवासी ग्राम नरौली तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2/2 श्रीमती किसलावती उम्र 50 साल पुत्र स्व0 भगौती पत्नी रामजी ग्राम मंगेरा तहसील खलीलाबाद जिला-संतकबीरनगर 2/3 श्रीमती दुर्गावती उर्फ मिसलावती उम्र लगभग 48 साल पत्नी शिवमूरत पुत्री स्व0 भगौती ग्राम हरिवंशपुर तहसील व जिला बस्ती 2/4 श्रीमती लक्ष्मी देवी उम्र 43 साल पत्नी देवनाथ पुत्री स्व0 भगौती साकिन नौगढ़ तहसील व जिला-बस्ती 3/5 श्रीमती सुदामा उम्र 41 साल पत्नी पन्ना लाल पुत्री स्व0 भगौती ग्राम कुसहवा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 06-02-2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 06 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

रामनगरी के लिए आस्था एक्सप्रेस, गोरखपुर-विशाखापत्तनम को हरी झंडी

संवाददाता-गोरखपुर। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए रेलवे ने बड़ी पहल की है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या धाम के लिए देश के हर कोने से आस्था एक्सप्रेस चलाने की तैयारी है। इनमें पांच गाड़ियां गोरखपुर के रास्ते चलाई जाएंगी। खास बात यह कि विशाखापत्तनम से अयोध्या होते हुए गोरखपुर तक पहली आस्था एक्सप्रेस को हरी झंडी मिल गई है। यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी। ट्रेन नंबर के साथ शेड्यूल जारी हो गया है। दरअसल, 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं के लिए रेलवे बोर्ड ने देश के हर कोने से आस्था एक्सप्रेस के नाम से स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इनके संचालन का आईआरसीटीसी को दिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन जिस रेलवे जोन से गुजरेंगी, उसकी मॉनिटरिंग नजदीक के जोनल रेलवे के अधिकारी करेंगे। इस ट्रेन की खासियत यह होगी कि यात्री वापसी का भी टिकट बुक करा सकेंगे। अयोध्या पहुंचकर दर्शन करने के बाद इसी ट्रेन से अगले दिन वापसी भी कर सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक इसका किराया सामान्य ट्रेनों के मुकाबले कुछ कम है। आस्था स्पेशल ट्रेनों के टिकट आईआरसीटीसी टूरिस्ट पोर्टल के माध्यम से जारी किए जाएंगे। पीआरएस डेस्क में ट्रेन की प्रोफाइल नहीं दिखेगी। टिकट सीधे आईआरसीटीसी द्वारा जारी किए जाएंगे। यात्रियों को बुकिंग के समय विवरण के साथ किसी रिश्तेदार का आपातकालीन संपर्क नंबर भी दर्ज करना होगा।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक-दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक-प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com